THE STUDY IAS By MANIKANT SINGH

UPSC फॉउंडेशन

GS बेसिक से एडवांस तक

- **FMC** फैकल्टी-मेंटर-कंटेंट समन्वय
- **BAR** बेंचमार्क-एनालिसिस-रेक्टिफिकेशन
- **RWR** रीड-राइट-रिवाइज

Be a Thinking Creature

UPSC तैयारी का पारंपरिक तरीका

हर किसी को ऐसा आभास होता है कि उसकी दिशा सही है।

COMPLETE SYLLABUS · RANKERS' CHOICE · 1000+ HOURS

और फिर शुरू होती हैं समस्याएँ

टीचिंग नहीं, केवल स्लाइड ही स्लाइड। स्पष्टता नहीं, केवल दिखावा

अव्यवस्थित तैयारी, रणनीति तो है, लेकिन किसके लिए ? पता नहीं ...

किसी और की रणनीति का अनुसरण, अज्ञात क्षेत्र में कदम रखने जैसा है

डिस्कनेक्टेड मेंटर

इस दृष्टिकोण में, यहाँ तक कि मेंटर भी कक्षा और छात्र के स्टडी मैटेरियल से डिस्कनेक्ट रहते हैं।

परीक्षा वाले दिन: कंटेंट तो है, किन्तु क्लैरिटी नहीं है

परीक्षा काल में आपको यह तो पता होता है कि क्या लिखना है, किन्तु यह नहीं पता होता कि किस प्रकार लिखना है।

असफलता से स्वयं की क्षमता पर संदेह होने लगता है

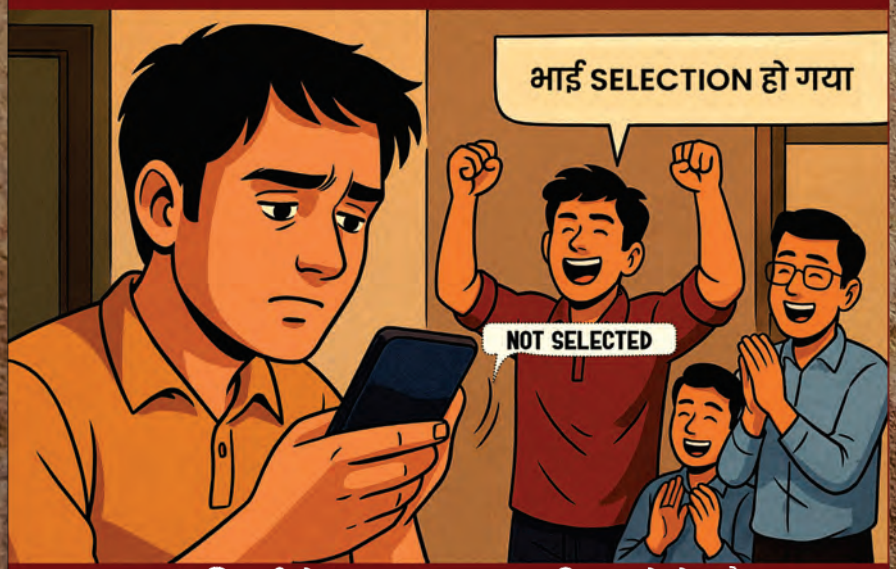

आपकी कड़ी मेहनत का आकलन परिणाम से होता है। असफलता में आप अलग-थलग पड़ जाएँगे।

वास्तविक मार्गदर्शन में आसमानी वादे नहीं होते, अपितु इससे प्रभावी परिणाम प्राप्त होते हैं।

और उस सहज माहौल में, आपको आभास होता है कि आपको प्रेरणा की नहीं, अपितु सुधार की आवश्यकता थी।

प्रिय अभ्यर्थियों,

UPSC की यात्रा धैर्य, स्पष्टता एवं दिशा की परीक्षा है। The Study IAS में, मणिकांत सर के मार्गदर्शन में, हम ऐसे नए अभ्यर्थियों के संघर्षों का सम्मान करते हैं जो विशाल पाठ्यक्रम को लेकर आशंकित हैं, साथ ही वर्षों की मेहनत के बावजूद अटके हुए अनुभवी अभ्यर्थियों को भी समाधान प्रदान करते हैं। पारंपरिक 'क्वांटिटेटिव' कोचिंग मॉडल में अंतहीन कक्षाओं, अनावश्यक मैटेरियल और असंगत मार्गदर्शन की प्रधानता है, जिससे प्रायः अभ्यर्थी भ्रमित हो जाते हैं। हम एक ऐसे परिवर्तनकारी दृष्टिकोण के साथ इसमें बदलाव लाने के प्रति संकल्पित हैं जिसमें कांसेप्चुअल क्लैरिटी, इंटरकनेक्टेड लर्निंग एवं स्ट्रक्चर्ड गाइडेंस को प्राथमिकता प्रदान की गई है। हम आपकी चुनौतियों का समाधान इस प्रकार करते हैं:

हमारी पेडगॉजी के माध्यम से प्राप्त करें प्रभावी समाधान

समाधान 1

मणिकांत सर की इंटरकनेक्टेड पेडगॉजी में विषयों एवं करेंट अफेयर्स को लिंक किया जाता है, तथा सहज, विश्लेषणात्मक समझ सुनिश्चित करने के लिए 'क्यों' एवं 'कैसे' पर बल प्रदान किया जाता है।

समाधान 2

The study IAS, फैकल्टी-मेंटर-कंटेंट (FMC) मॉडल के माध्यम से आपके लिए हाई-क्वालिटी कंटेंट उपलब्ध कराता है, तथा प्रभावी तैयारी के लिए लेक्चर, मैटेरियल एवं मेंटरशिप को परिणाम-अनुरूप व्यवस्था में रखता है।

समाधान 3

FMC मॉडल से फैकल्टी, मेंटर एवं कंटेंट के मध्य समन्वय सुनिश्चित होता है, तथा मणिकांत सर द्वारा सुसंगत-विशिष्ट मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

समाधान 4

मणिकांत सर के दिशा-निर्देशन अंतर्गत रीड-राइट-रिवाइज (RWR) मॉडल में प्रथम दिन से ही स्ट्रक्चर्ड उत्तर-लेखन कौशल उपलब्ध होता है।

समाधान 5

मणिकांत सर के इंटरकनेक्टेड दृष्टिकोण अंतर्गत समग्र, प्रासंगिक तैयारी के लिए करेंट अफेयर्स को स्टैटिक सिलेबस के साथ इंटीग्रेट किया जाता है।

समाधान 6

मणिकांत सर के नेतृत्व में फैकल्टी द्वारा सुसंगत, इंटरकनेक्टेड लर्निंग अनुभव सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विषयों की कक्षाओं को सिंक्रोनाइज किया जाता है।

हमारे बारे में

आपकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करने में किस प्रकार सहायक है?

शैक्षिक पैराडाइम पूर्व की भाँति नहीं रहा, अर्थात प्रभावित हो गया है! विषयों अथवा टॉपिक का अलग-अलग अध्ययन एवं रोट लर्निंग, एक ऐसा प्रमुख कारण है कि छात्र अपनी वास्तविक क्षमता को समझ नहीं पाते हैं। साथ ही, यह सिविल सेवा परीक्षा में सफलता पाने की राह में उनके सामने आने वाली सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। 10-15 विषयों का अध्ययन करना एवं उन्हें याद रखना लगभग असंभव हो जाता है, विशेषकर उस परिस्थिति में जब आपने अपने स्कूल अथवा कॉलेज में उनमें से अधिकांश विषयों को नहीं पढ़ा है। अपनी तैयारी के दौरान आप जिस कारण से आशंकित एवं असुरक्षित महसूस करते हैं, वह है - एक अवैज्ञानिक दृष्टिकोण। UPSC से आशय बिना सोचे-समझे कड़ी मेहनत करने से नहीं, अपितु सोच-समझकर 'स्मार्ट वर्क' करने से है। शिक्षा के क्षेत्र में अपने 30 से अधिक वर्षों के अनुभव एवं UPSC अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन करने के आधार पर, मणिकांत सिंह सर के मार्गदर्शन में The Study IAS ने एक रोडमैप तैयार किया है। 'चैंजेज' एवं 'इंटरलिंकेज' के एक पैटर्न के माध्यम से, आप अपनी पढ़ाई को अत्यधिक आसान, सहज एवं सफल बना सकते हैं। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि आप अंतर्अनुशासनात्मक दृष्टिकोण, परीक्षा-उन्मुख अभ्यास एवं कक्षा की कोऑर्डिनेटेड टीचिंग के माध्यम से इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने में सक्षम बनें। ऐसी आवश्यकता नहीं है कि आप प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से पढ़े हों। GS फाउंडेशन एवं इतिहास वैकल्पिक के हमारे प्रमुख कोर्स के माध्यम से, हम सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली शिक्षा सभी के लिए सुलभ बनाते हैं!

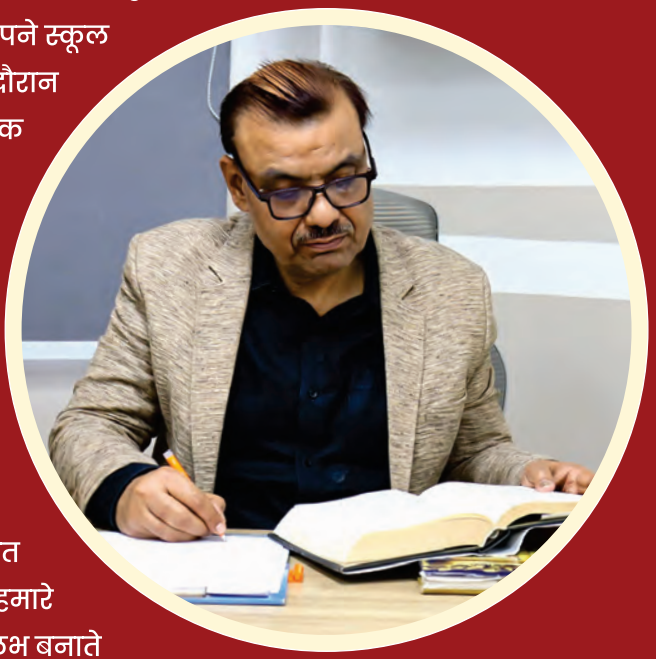

मणिकांत सिंह
FOUNDER & CMD
THESTUDYIAS

हमारे सिद्धांत

- मात्रा से अधिक प्रधानता समझ को
- इंटरकनेक्टेड लर्निंग
- याद करने से अधिक प्रधानता सोचने को
- प्रगतिशील रणनीति

FMC मॉडल

"यूनिफाइड लर्निंग एक्सपीरियंस: जहाँ फैकल्टी, मेंटर एवं कंटेंट परिणाम-अनुरूप भाव में होते हैं"

UPSC तैयारी के फैक्ट्री मॉडल में - प्रत्येक फैकल्टी द्वारा अत्यधिक विशिष्ट टीचिंग पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जिसकी आवश्यकता नहीं होती है; मेंटर अतिरिक्त संसाधनों की सूची के साथ छात्रों को भ्रमित करते हैं, एवं कोचिंग मैटेरियल तथ्यों का एक रैंडम कलेक्शन होता है जिस समस्या पर किसी का भी ध्यान नहीं जाता है।

इंटरलिंकेज के माध्यम से फैकल्टी कोऑर्डिनेशन: हमारे शिक्षक असंगत शिक्षण कार्य नहीं करते। यह शेड्यूल विषयों के मध्य इंटरलिंकेज पर आधारित है एवं उन विषयों को खंडों में विभाजित किया जाता है - 'इतिहास - भारतीय राजव्यवस्था - भारतीय अर्थव्यवस्था' एवं 'भूगोल - पर्यावरण - विज्ञान प्रौद्योगिकी', जहाँ एक विषय के टॉपिक दूसरे विषय के टॉपिक को समझने में सहायक होते हैं।
याद रखें- UPSC के सिलेबस में मात्र इनका उल्लेख है एवं आपके शिक्षक, मणिकांत सर के मार्गदर्शन में, अंतःविषय एवं विषय के भीतर इंटरलिंकेज पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
मेंटर एलाइनमेंट: आपके मेंटर भी आपके शिक्षकों के समान ही रोडमैप का अनुपालन करते हैं। विरोधाभासी सलाह, अतिरिक्त बोझ आदि नहीं होता है—मात्र प्राप्त होंगे समुचित मार्गदर्शन जिससे आपकी क्लासरूम लर्निंग प्रक्रिया बेहतर बनेगी।
कंटेंट समावेशन: नवीनतम एवं कॉम्प्रिहेंसिव पुस्तक श्रृंखला, उसी टीम द्वारा तैयार की गई है जो आपको पढ़ाती है। आप जो पढ़ते हैं एवं कक्षा में जो सीखते हैं, उसके मध्य अंतर नहीं, अपितु समरूपता होती है।

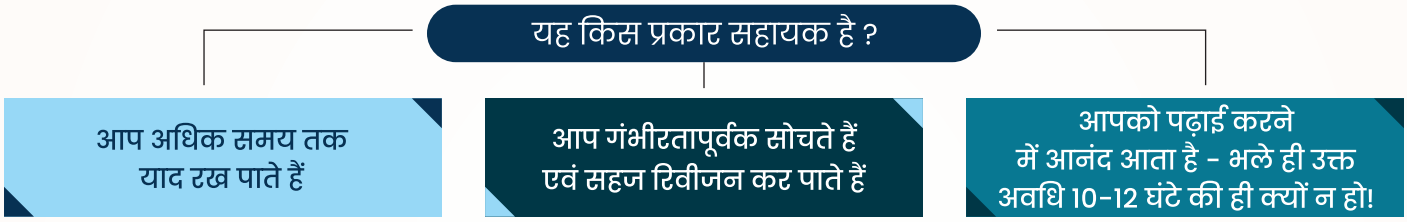

रीड-राइट-रिवाइज पैराडाइम

"उत्तर-लेखन कौशल में निपुणता प्राप्त करें: रीडिंग से लेकर रिजल्ट तक"

UPSC लेखन-कौशल का विषय है - अंततः, रिजल्ट वाले पीडीएफ़ में आपका नाम तभी आ पाएगा जब आप अपने उत्तरों को अन्य अभ्यर्थियों के उत्तरों से अलग स्वरूप प्रदान करेंगे, क्योंकि मुख्य परीक्षा में 2025 में से 1750 अंक होते हैं, जो आपके कुल अंकों का 86% होता है। अतः, जैसा कि सुन त्ज़ु ने अपनी 'युद्ध कला' में कहा है,

भविष्य की चुनौतियों के लिए पूर्व ही तैयारी कर लें, तथा लघु स्तर से शुरुआत करके बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करें।

1) कक्षा में प्रतिदिन क्रमबद्ध कठिनाई स्तरों वाले उत्तर लेखन अभ्यास;
2) स्वयं मणिकांत सर की विशेष कक्षाएँ - 'कैसे पढ़ें' एवं 'प्रभावी उत्तर लेखन कैसे करें', जिसमें मूल विचारों की समझ प्राप्त होगी एवं फिर अपने तर्कों और उदाहरणों को सर्वाधिक उपयुक्त तरीके से प्रस्तुत करने, साथ ही समाचार पत्रों को बेहतर तरीके से पढ़ने की कला भी प्राप्त होगी।
3) ईयर-लॉन्ग उत्तर लेखन प्रोग्राम: स्ट्रक्चरिंग एवं इंटरकनेक्टिविटी की कला पर आधारित
4) हमारा विशेष 'रीड-राइट-रिवाइज' मुख्य परीक्षा सुपर एडवांस कोर्स - इंटेंसिव मुख्य परीक्षा उन्मुख अभ्यास एवं निबंधों पर विशेष ध्यान

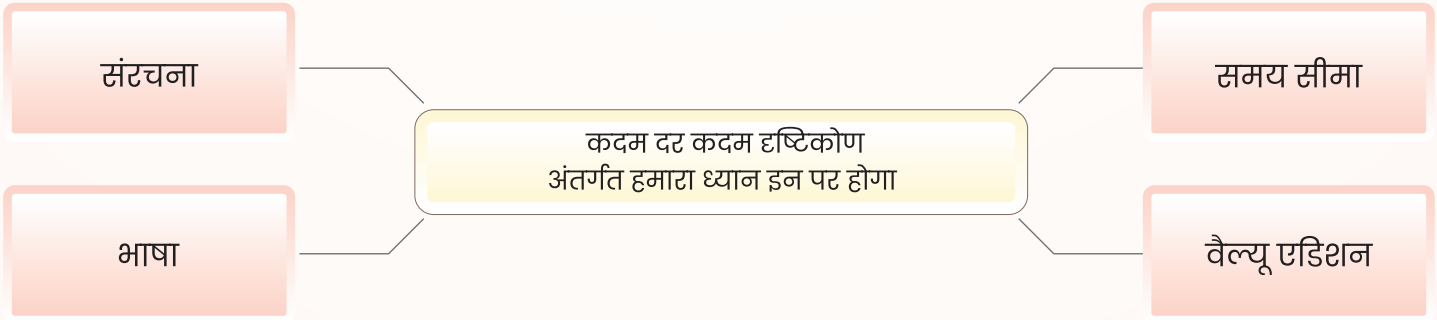

GS फॉउंडेशन कोर्स (बेसिक से एडवांस तक)

यह मात्र एक GS कोर्स नहीं - अपितु यह एक पूर्ण शैक्षणिक एवं रणनीति आधारित ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्राम है, जो अपनी तैयारी को ठोस आधार पर लाने वाले लगनशील सह प्रतिभावान अभ्यर्थियों के लिए तैयार किया गया है।

14-15 महीनों के लिए तैयार, इस प्रोग्राम के अंतर्गत प्रारंभिक एवं मुख्य दोनों परीक्षाएँ आएँगी, तथा यह प्रोग्राम - अवधारणाओं, लेखन एवं रणनीति आधारित समझ पर प्रभावी पकड़ बनाने पर आधारित है।

यह कोर्स आपके लिए विशेष क्यों ?

- सामान्य अध्ययन 1-4 में रियल-वर्ल्ड इंटरलिंकेज के साथ साइंटिफिक टॉपिक अरेंजमेंट
- पहली कक्षा से ही दैनिक स्तर पर स्ट्रक्चरिंग एवं उत्तर लेखन अभ्यास
- मणिकांत सर द्वारा 'कैसे पढ़ें' एवं 'प्रभावी उत्तर लेखन कैसे करें' पर कक्षाएँ
- GS मंथन - स्वयं मणिकांत सर के नेतृत्व में करेंट अफेयर्स इंटीग्रेशन
- मुख्य पाठ्यक्रम में निबंध एवं एथिक्स मॉड्यूल शामिल
- ओवरलोड कम करने एवं स्मृति सुधार के लिए तैयार की गई प्रिंटेड स्टडी मैटेरियल
- आपकी तैयारी की संपूर्ण यात्रा में वन-ऑन-वन मेंटरशिप
- हिंदी एवं अंग्रेजी, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों में उपलब्ध

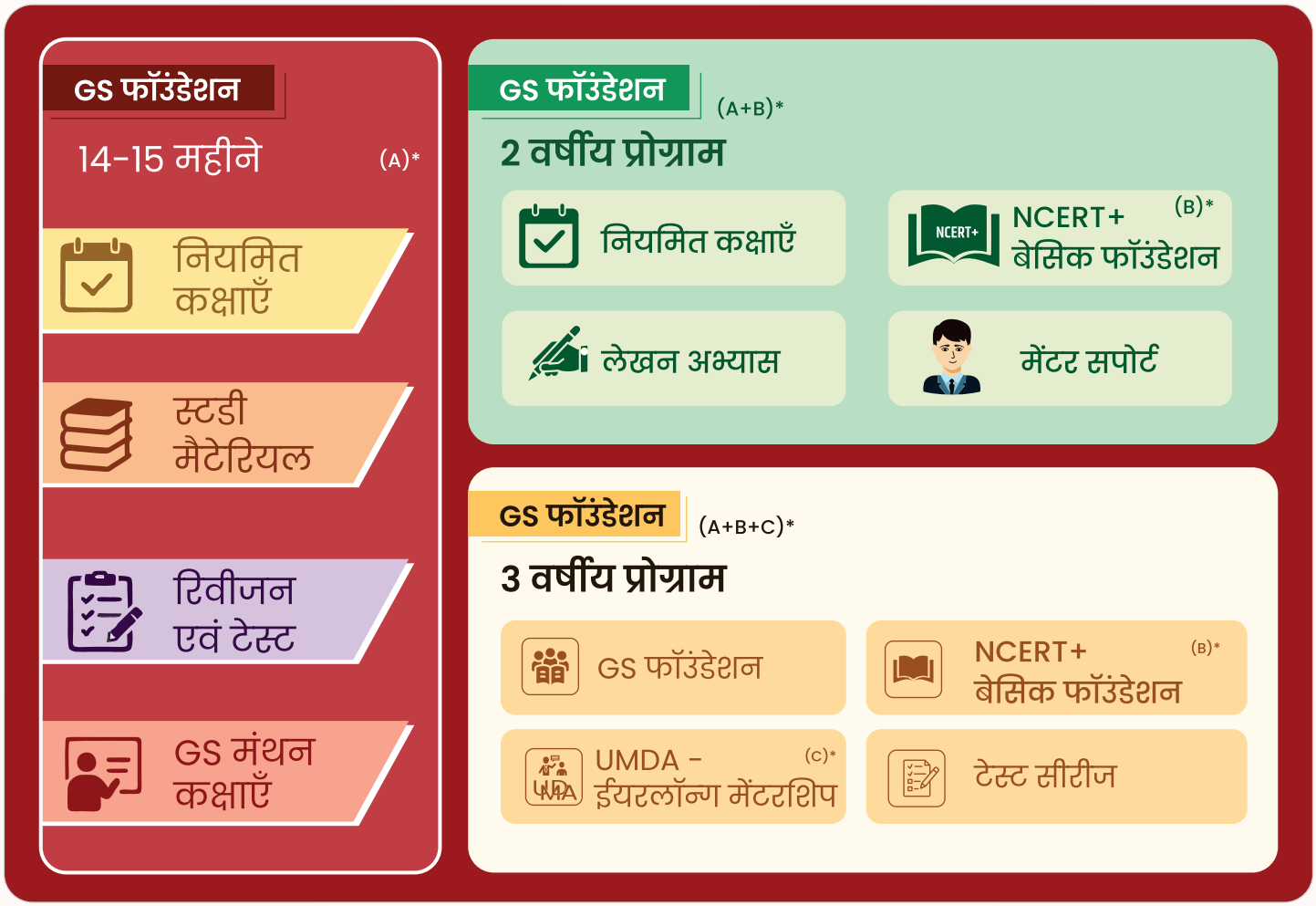

1 UPSC प्रारंभिक परीक्षा - अब आपके सामने क्या चुनौती है? | समय सीमा - मई

GS प्रश्न पत्र-1
द रियल डिसाइडर

100 प्रश्न
2 घंटे;
200 अंक

CSAT: मात्र क्वालीफाई
करना आवश्यक, किन्तु महत्व कम नहीं

गणित, तर्कशक्ति, बोधगम्यता
[200 अंक]
केवल क्वालीफाइंग

MCQ, साथ ही नेगेटिव मार्किंग लागू

वस्तुनिष्ठ प्रश्न पत्र -0.66 प्रति गलत उत्तर

मात्र एक गेटवे, रैंक-निर्धारण में भूमिका नहीं

प्रारंभिक परीक्षा मात्र एक स्क्रीनिंग टेस्ट है

UPSC प्रारंभिक परीक्षा में सफलता मात्र ज्ञान-अर्जन से प्राप्त नहीं होती - अपितु उक्त ज्ञान का प्रभावी एवं समुचित उपयोग भी करना होता है।

2 UPSC मुख्य परीक्षा

ऐसी परीक्षा जिसका विशेष महत्व है

9 प्रश्न पत्र - आमतौर पर अगस्त-सितंबर में आयोजन (प्रकृति: डिस्क्रिप्टिव लेखन)

प्रश्न पत्र - A
अंक 300
अनुसूची 8 LANGUAGE
प्रकृति: क्वालीफाइंग
अवधि: 3 घंटे

प्रश्न पत्र - B अंग्रेजी
अंक 300
प्रकृति: क्वालीफाइंग
अवधि: 3 घंटे

प्रश्न पत्र - 1 निबंध
अंक 250 | प्रकृति: मेरिट निर्धारण में भूमिका | अवधि: 3 घंटे

प्रश्न पत्र - II
सामान्य अध्ययन I
अंक 250
प्रकृति: मेरिट निर्धारण में भूमिका
अवधि: 3 घंटे

प्रश्न पत्र - III
सामान्य अध्ययन II
अंक 250
प्रकृति: मेरिट निर्धारण में भूमिका
अवधि: 3 घंटे

प्रश्न पत्र - IV
सामान्य अध्ययन III
अंक 250
प्रकृति: मेरिट निर्धारण में भूमिका
अवधि: 3 घंटे

प्रश्न पत्र - V
सामान्य अध्ययन IV
अंक 250
प्रकृति: मेरिट निर्धारण में भूमिका
अवधि: 3 घंटे

प्रश्न पत्र - VI
वैकल्पिक विषय प्रश्न पत्र-1
अंक 250
प्रकृति: मेरिट निर्धारण में भूमिका
अवधि: 3 घंटे

प्रश्न पत्र - VII
वैकल्पिक विषय प्रश्न पत्र-2
अंक 250
प्रकृति: मेरिट निर्धारण में भूमिका
अवधि: 3 घंटे

3 साक्षात्कार परीक्षण (इंटरव्यू)

आयोजन काल: जनवरी-फरवरी
मुख्य परीक्षा पश्चात)
अंक: 275 (मुख्य परीक्षा के कुल अंकों में जोड़ा जाता है)

विचारों की स्पष्टता
आप स्वयं को एवं विश्व को कितनी अच्छी तरह समझते हैं?

निर्णयन
क्या आप परस्पर-विरोधी दृष्टिकोणों को तर्कसंगत-प्रभावी ढंग से समझने में सक्षम हैं?

आचरण
यहाँ इस बात का महत्व नहीं है कि आप क्या जानते हैं - अपितु महत्त्वपूर्ण यह है कि आप उसका प्रयोग किस प्रकार करते हैं

ईमानदारी
जब तथ्य एवं मूल्यों के मध्य विरोधाभास होगा तो आप क्या करेंगे?

संतुलन
अहंभाव रहित आत्मविश्वास

मिथक बनाम वास्तविकता

- ✓ यह एक व्यक्तित्व मूल्यांकन है
- ✗ आपकी अंग्रेजी त्रुटिरहित होनी चाहिए
- ✓ आवश्यकता यह होती है कि आप किसी भी भाषा में स्पष्ट संवाद करें
- ✓ अभ्यासपूर्ण उत्तरों की तुलना में सोच की गहनता का महत्व है

UPSC सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम

अप्रैल/मई में घोषणा

कुल अंक 2025
(मुख्य परीक्षा+साक्षात्कार)

वर्षवार UPSC कट ऑफ

श्रेणी	2021(प्री|मेन्स|फाइनल)	2022(प्री|मेन्स|फाइनल)	2023(प्री|मेन्स|फाइनल)	2024(प्री|मेन्स|फाइनल)
GENERAL	87.54|745|953	88.22|748|960	75.41|741|953	87.98|729|947
EWS	80.14|713|916	82.83|715|926	68.02|706|923	85.92|696|917
OBC	89.12|707|910	87.54|714|923	74.75|712|919	87.28|702|910
SC	75.41|700|886	74.08|699|893	59.25|694|890	79.03|685|880
ST	70.71|700|883	69.35|706|900	47.82|692|891	74.23|684|884
PwBD1	68.02|688|892	49.84|677|879	40.4|673|894	69.42|663|876
PwBD2	67.33|712|932	58.59|706|913	47.13|718|930	65.3|696|913
PwBD3	43.09|388|689	40.40|351|632	40.40|396|756	40.56|307|701
PwBD5	45.80|560|701	41.76|419|590	33.68|445|589	40.56|361|461

UPSC सिविल सेवा परीक्षा : प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम

भाग-क : प्रारंभिक परीक्षा

प्रश्न पत्र-I : सामान्य अध्ययन

- राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनाएं ।
- भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन ।
- भारत एवं विश्व भूगोल - भारत एवं विश्व का प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल ।
- भारतीय राज्यतन्त्र और शासन - संविधान, राजनैतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोक नीति, अधिकारों संबंधी मुद्दे, आदि ।
- आर्थिक और सामाजिक विकास -सतत् विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र में की गई पहल आदि ।
- पर्यावरणीय पारिस्थितिकी जैव-विविधता और मौसम परिवर्तन संबंधी सामान्य मुद्दे, जिनके लिए विषयगत विशेषज्ञता आवश्यक नहीं है ।
- सामान्य विज्ञान ।

प्रश्न पत्र-II : सामान्य अध्ययन (सीसैट)

- बोधगम्यता
- संचार कौशल सहित अंतर-वैयक्तिक कौशल
- तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता
- निर्णय लेना और समस्या समाधान
- सामान्य मानसिक योग्यता
- आधारभूत संख्यनन (संख्याएं और उनके सबंध, विस्तार-क्रम आदि) (दसवीं कक्षा का स्तर), आंकड़ों का निर्वचन (चार्ट, ग्राफ तालिका, आंकड़ों की पर्याप्तता आदि- दसवीं कक्षा का स्तर)

टिप्पणी 1: सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा का सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-II अर्हक प्रश्न पत्र होगा जिसके लिए न्यूनतम 33% अर्हक अंक निर्धारित किए गए हैं।

भाग-ख : मुख्य परीक्षा

प्रश्न पत्र-I: निबंध

उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा । विषयों के विकल्प दिए जाएंगे । उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के विषय के निकट रखते हुए क्रमबद्ध करें तथा संक्षेप में लिखें । प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों के लिए श्रेय दिया जाएगा ।

प्रश्न पत्र-II: सामान्य अध्ययन-I (भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज)

- भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला के रूप, साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलू शामिल होंगे ।
- 18वीं सदी के लगभग मध्य से लेकर वर्तमान समय तक का आधुनिक भारतीय इतिहास- महत्वपूर्ण घटनाएं, व्यक्तित्व, विषय ।
- स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान ।
- स्वतंत्रता के पश्चात देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन ।
- विश्व के इतिहास में 18वीं सदी की घटनाएं यथा औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनः सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन शास्त्र जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि शामिल होंगे, उनके रूप और समाज पर उनका प्रभाव ।
- भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएं, भारत की विविधता ।
- महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या एवं संबद्ध मुद्दे, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएं और उनके रक्षोपाय ।
- भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव ।
- सामाजिक सशक्तिकरण, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्म-निरपेक्षता ।
  विश्व के भौतिक भूगोल की मुख्य विशेषताएं ।
- विश्वभर के मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप को शामिल करते हुए), विश्व (भारत सहित) के विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिए जिम्मेदार कारक ।

प्रश्न पत्र-III: सामान्य अध्ययन-II (शासन व्यवस्था, संविधान, शासन-प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध)

- भारतीय संविधान-ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना ।
- संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढांचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियां, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियां ।
- विभिन्न घटकों के बीच शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थान ।
- भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों के साथ तुलना ।
- संसद और राज्य विधायिका- संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियां एवं विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले विषय ।
- कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य - सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक / अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका ।
- जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएं ।
- विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति और विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियां, कार्य और उत्तरदायित्व ।
- सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय ।
- सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए हस्तक्षेप और उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय ।
- विकास प्रक्रिया तथा विकास उद्योग- गैर-सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्ताओं, लोकोपकारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका ।
- केन्द्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन, इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिए गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय ।
- स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय ।
- गरीबी और भूख से संबंधित विषय ।

- शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेंस-अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएं, सीमाएं और संभावनाएं; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय ।
- लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका ।
- भारत एवं इसके पड़ोसी-संबंध ।
- द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार ।
- भारत के हितों, भारतीय परिदृश्य पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियाँ तथा राजनीति का प्रभाव ।
- महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएं और मंच-उनकी संरचना, अधिदेश ।
स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास एवं प्रबंधन से संबंधित मुद्दे ।
- गरीबी और भुखमरी से संबंधित मुद्दे ।
- शासन, पारदर्शिता व जवाबदेही के महत्वपूर्ण पहलू, ई-गवर्नेंस-अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएँ, सीमाएँ और संभावनाएँ; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही तथा संस्थागत और अन्य उपाय ।
- लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका ।
- भारत एवं पड़ोसी देशों से संबंध ।
- भारत से संबंधित और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले द्विपक्षीय, क्षेत्रीय व वैश्विक समूह एवं समझौते ।
- विकसित व विकासशील देशों की नीतियों एवं राजनीति का भारत के हितों तथा भारतीय प्रवासियों पर प्रभाव ।
- महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ, एजेंसियाँ एवं फोरम-उनकी संरचना और अधिदेश ।

प्रश्न पत्र-IV: सामान्य अध्ययन-III (प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन)

- भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधनों का एकत्रण, संवृद्धि, विकास एवं रोजगार से संबंधित मुद्दे ।
- समावेशी विकास एवं इससे उत्पन्न मुद्दे ।
- सरकारी बजट ।
- प्रमुख फसलें - देश के विभिन्न भागों में फसल प्रतिरूप, विभिन्न प्रकार की सिंचाई व सिंचाई प्रणालियाँ, कृषि उपज का भंडारण, परिवहन व विपणन एवं मुद्दे तथा संबंधित बाधाएँ; किसानों की सहायता हेतु ई-प्रौद्योगिकी ।
- प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कृषि सब्सिडी तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित मुद्दे; जन वितरण प्रणाली-उद्देश्य, कार्यप्रणाली, सीमाएँ, सुधार; बफर स्टॉक तथा खाद्य सुरक्षा के मुद्दे; प्रौद्योगिकी मिशन; पशुपालन संबंधित अर्थशास्त्र ।
- भारत में खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग- कार्यक्षेत्र व महत्व, स्थान, अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम की अपेक्षाएँ, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन ।
- भारत में भूमि सुधार.
- अर्थव्यवस्था पर उदारीकरण के प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर उनका प्रभाव ।
- आधारभूत ढाँचा(अवसंरचना): ऊर्जा, बंदरगाह, सड़कें, विमानपत्तनम, रेलवे आदि ।
- निवेश मॉडल.
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी-विकास एवं दैनिक जीवन में उनके अनुप्रयोग एवं प्रभाव ।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण तथा नई प्रौद्योगिकी का विकास ।
- सूचना प्रौद्योगिकी , अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-टेक्नोलॉजी, बायो-टेक्नोलॉजी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता ।
- संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन ।
- आपदा एवं आपदा प्रबंधन ।
- विकास और फैलते उग्रवाद के बीच संबंध ।
- आंतरिक सुरक्षा हेतु चुनौतियाँ उत्पन्न करने में बाह्य राज्य एवं गैर-राज्य अभिकर्ताओं की भूमिका ।
- संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौतियाँ, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइटों की भूमिका, साइबर सुरक्षा की
- बुनयादी बातें; धन शोधन तथा इसकी रोकथाम ।
- सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ एवं उनका प्रबंधन, संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच संबंध ।
- विभिन्न सुरक्षा बल और सँस्थाएँ तथा उनके अधिदेश ।

प्रश्न पत्र-V: सामान्य अध्ययन-IV (नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरूचि)

इस प्रश्न-पत्र में ऐसे प्रश्न शामिल होंगे जो सार्वजनिक जीवन में उम्मीदवारों की सत्यनिष्ठा, ईमानदारी से संबंधित विषयों के प्रति उनकी अभिवृत्ति तथा उनके दृष्टिकोण तथा समाज से आचार-व्यवहार में विभिन्न मुद्दों तथा सामने आने वाली समस्याओं के समाधान को लेकर उनकी मनोवृत्ति का परीक्षण करेंगे । इन आयामों का निर्धारण करने के लिए प्रश्न-पत्रों में किसी मामले के अध्ययन (केस स्टडी) का माध्यम भी चुना जा सकता है । मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों को कवर किया जाएगा :

- नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध: मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्व, इसके निर्धारक और परिणाम नीतिशास्त्र के आयाम; निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र । मानवीय मूल्य-महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा; मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज, और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका ।
- अभिवृत्तिः सारांश (कंटेन्ट), संरचना, वृत्तिः विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध; नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि; सामाजिक प्रभाव और धारणा ।
- सिविल सेवा के लिए अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा, भेदभाव रहित तथा गैर-तरफदारी, निष्पक्षता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना ।
- भावनात्मक समझः अवधारणाएँ तथा प्रशासन व शासन व्यवस्था में उनके उपयोग और प्रयोग ।
- भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान ।
- लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्रः स्थिति तथा समस्याएँ; सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक चिंताएँ तथा दुविधाएँ; नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियमन तथा अंतर्रात्मा; शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण; अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे; कॉर्पोरेट शासन व्यवस्था ।
- शासन व्यवस्था में ईमानदारी लोक सेवा की अवधारणा; शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान तथा पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ ।
- उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी) ।

✷ प्रश्न पत्र-VI तथा प्रश्न पत्र-VII (वैकल्पिक विषय- प्रश्न पत्र-I एवं प्रश्न पत्र-II)
✷ भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी पर अर्हक प्रश्न पत्र

लेक्चर प्लानर

विषय	उप-विषय	लेक्चरों की संख्या (अनुमानित)
सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 1		
कला एवं संस्कृति	भारतीय विरासत, वास्तुकला एवं साहित्य	15
भारतीय भूगोल	मानव एवं भारतीय भूगोल	20
	भौतिक भूगोल	30
भारतीय इतिहास	प्राचीन और मध्यकालीन स्वतंत्रता संग्राम और स्वतंत्रता के उपरांत आधुनिक भारत	60
समाज	जनसंख्या, गरीबी एवं सामाजिक सशक्तिकरण	07
विश्व का भूगोल	विश्व भूगोल थीम्स	10
सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-2		
भारतीय राजव्यवस्था और शासन	संविधान एवं दर्शन शासन एवं पॉलिसी संसद, न्यायपालिका और संघवाद	60
अंतरराष्ट्रीय संबंध	भारत की विदेश नीति एवं वैश्विक समूह	20
	सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-3	
आपदा प्रबंधन	शमन और तैयारी	05
पर्यावरण और पारिस्थितिकी	पारिस्थितिकी, जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन	30
भारतीय अर्थव्यवस्था	बजट एवं आर्थिक सर्वेक्षण आधारभूत अर्थशास्त्र समावेशी विकास एवं अन्य क्षेत्रक	50
आंतरिक सुरक्षा	सुरक्षा चुनौतियाँ और संस्थान	10
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	बुनियादी विज्ञान + तकनीक + अंतरिक्ष + सूचना प्रौद्योगिकी	40
सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-4		
नीतिशास्त्र	केस स्टडी और अनुप्रयोग नैतिक विचारक और सिद्धांत	35
निबंध		
निबंध लेखन	संरचनात्मक + विषयगत अभ्यास	07
करेंट अफेयर्स एवं कनेक्टर कक्षाएँ		
करेंट अफेयर्स (जीएस मंथन)	डायनेमिक इश्यूज + उत्तर फ्रेमिंग	45
टेस्ट सीरीज		
रिवीजन एवं टेस्ट	साप्ताहिक टेस्ट + सेक्शनल टेस्ट + फुल लेंथ रिवीजन	75

जी एस 1

142 लेक्चर

जी एस 2

85 लेक्चर

जी एस 3

135 लेक्चर

जी एस 4

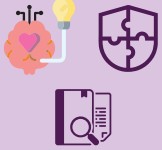

35 लेक्चर

निबंध

निबंध लेखन की रूपरेखा और अभ्यास

07 लेक्चर

जीएस मंथन =45 लेक्चर

कुल टेस्ट=75

जीएस मंथन-मणिकांत सर द्वारा इंटीग्रेटेड करेंट अफेयर्स कोर्स

करेंट अफेयर्स कोई अलग विषय नहीं है! यह प्रोग्राम छात्रों को 'How GS Travelled This Week' प्रारूप के माध्यम से समसामयिक विषयों के मुद्दों के निर्बाध विकास को समझने में मदद करने हेतु तैयार किया गया है। यह आपकी स्टैटिक तैयारी में उन परिवर्तनों व निरंतरताओं पर ध्यान केंद्रित करने का एक अभिनव तरीका है जो आपके संपूर्ण करेंट अफेयर्स के स्ट्रक्चर का आधार बनते हैं, साथ ही आप रोट लर्निंग के स्थान पर मूल्यवर्धन एवं कांसेप्ट सृजन सुनिश्चित कर पाते हैं।

कोर फीचर्स

- वास्तविक प्रगति के लिए तैयार
- सप्ताह के सबसे प्रासंगिक एवं व्यापक मुद्दे
- मणिकांत सर का करेंट अफेयर्स को स्टेटिक विषय से जोड़ने का 32+ वर्षों का अनुभव
- व्यापक और इनोवेटिव हैंडआउट्स
- मासिक करेंट अफेयर्स पत्रिका
- फुल लेंथ करेंट अफेयर्स
- कक्षा में ही मुख्य और प्रारंभिक परीक्षा पर आधारित अभ्यास प्रश्न

एनसीईआरटी + बेसिक फॉउंडेशन प्रोग्राम

एनसीईआरटी + बेसिक फॉउंडेशन प्रोग्राम यूपीएससी में नए लोगों हेतु एकदम सही शुरुआत है। यह वरिष्ठ शिक्षकों द्वारा रिकॉर्ड किए गए लेक्चर के माध्यम से संपूर्ण एनसीईआरटी कवरेज प्रदान करता है, जिसे अनुशासन, स्पष्टता एवं निरंतरता विकसित करने हेतु दैनिक मेंटरशिप से आधार प्राप्त होता है। साप्ताहिक टेस्ट, स्ट्रक्चर्ड पठन-लेखन-चिंतन-प्रशिक्षण एवं संक्षिप्त, इंटरकनेक्टेड नोट्स के साथ, यह प्रोग्राम सुनिश्चित करता है कि आप केवल एनसीईआरटी न पढ़ें, बल्कि उन्हें गहराई से समझें और प्रभावी ढंग से लागू करें। 12वीं पास छात्रों, कॉलेज जाने वालों और पूरी तैयारी शुरू करने से पहले एक ठोस आधार बनाने की चाह रखने वाले सभी लोगों हेतु आदर्श।

कांसेप्ट + करेंट = सम्पूर्ण जीएस

मणिकांत सर द्वारा जीएस मंथन

- साप्ताहिक मुद्दें आधारित चर्चाएँ
- करेंट अफेयर्स - स्टैटिक लिन्केजेज (जीएस1-जीएस4+निबंध)
- आंसर फ्रेमिंग और मॉडल स्ट्रक्चर
- बिल्ड अवेयरनेस, इंटरलिन्केजेज, वैल्यू ऐड पॉइंट्स
- वास्तविक दुनिया के उदाहरणों के माध्यम से एक शीर्ष-रैंकर की तरह सोचना

एनसीईआरटी+ बेसिक फाउंडेशन (एड-ऑन बी)

- सीनियर फैकल्टी द्वारा पूर्व-रिकॉर्ड किए गए कॉन्सेप्चुअल लेक्चर
- यूपीएससी के लिए मजबूत आधार तैयार करने हेतु मेंटर-कम-फाउंडेशन फैकल्टी द्वारा नियमित कक्षाएँ
- गैर-मानविकी छात्रों हेतु फॉउंडेशन बिल्डिंग
- लेखन की आदत जल्दी प्रारंभ करने से जीएस + वैकल्पिक दोनों में मदद मिलती है

जब कांसेप्ट एवं करेंट का समन्वय होता है - एक पूर्ण जीएस माइंडसेट की शुरुआत होती है

बार-कोडिंग इवैल्यूएशन व्यवस्था

बेंचमार्क फेज

विषय - 1
दैनिक प्रैक्टिस एवं मार्गदर्शन के साथ दैनिक मिनी टार्गेट

प्रीलिम्स एवं मेन्स सिलेबस एनालिसिस ..... ACE सेशन से समुचित लाभान्वित हों (विश्लेषण, वर्गीकरण, परीक्षण) ..... PYQ's

दिन 1 — दैनिक लक्ष्य 1
- प्रैक्टिस
  - प्रीलिम्स प्रश्न
  - मेन्स प्रश्न
- मेंटरशिप डिस्कशन

दिन 2 ..... दैनिक लक्ष्य 2

दिन 3 ..... दैनिक लक्ष्य 3

दिन 4 ..... दैनिक लक्ष्य 4

दिन 5 ..... दैनिक लक्ष्य 5

दिन 6 ..... दैनिक लक्ष्य 6

एनालिसिस फेज

दिन 7 ..... प्रीलिम्स डायग्नोस्टिक टेस्ट

प्रीलिम्स परफॉरमेंस शीट (कुल 10 में से प्राप्त अंक)

टेस्ट/पैरामीटर	अवधारणात्मक समझ	फैक्चुअल अवेयरनेस	गूगली प्रश्न	बेंचमार्क पैरामीटर
टेस्ट 1	2	3	3	अवधारणात्मक समझ
टेस्ट 2	4	3	3	अवधारणात्मक समझ
टेस्ट 3	6	3	3	अवधारणात्मक समझ
टेस्ट 4	6.5	3	3	फैक्चुअल अवेयरनेस

दिन 8 ..... मेन्स डायग्नोस्टिक टेस्ट

मेन्स परफॉरमेंस शीट (कुल 10 में से प्राप्त अंक)

टेस्ट/पैरामीटर	संरचना	प्रेज़न्टेशन	भाषा	कंटेंट	लगा समय	बेंचमार्क पैरामीटर
टेस्ट 1	4	5	6	5	5	संरचना
टेस्ट 2	5	5	6	6	5	संरचना
टेस्ट 3	6	5	5	5	5	संरचना
टेस्ट 4	6	5	5	5	5	प्रेज़न्टेशन
टेस्ट 5	6	5.5	5	5	5	प्रेज़न्टेशन

रेक्टिफिकेशन फेज

- परफॉरमेंस ऑप्टिमल →
- परफॉरमेंस सब-ऑप्टिमल → री-टेस्ट →
- यदि विशेष मार्गदर्शन आवश्यक हो → एक्सपर्ट कंसल्टेशन → री-टेस्ट → री-टेस्ट

बार-कोडित मूल्यांकन प्रणाली के अंतर्गत परीक्षण श्रृंखला:

- एकाग्र- प्रीलिम्स टेस्ट सीरीज
- MAP मेन्स मूल्यांकन प्रोग्राम
- इतिहास वैकल्पिक मेंटरशिप प्रोग्राम
- इतिहास वैकल्पिक टेस्ट सीरीज
- यूपीपीएससी (प्री-कम-मेन्स) एकीकृत टेस्ट सीरीज
- यूपीपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा टेस्ट सीरीज
- यूपीपीएससी मेन्स परीक्षा टेस्ट सीरीज
- बीपीएससी (प्री कम मेन्स) एकीकृत टेस्ट सीरीज
- बीपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा टेस्ट सीरीज
- बीपीएससी मेन्स परीक्षा टेस्ट सीरीज

..और हम कई और टेस्ट सीरीज कार्यक्रम पेश कर रहे हैं।

UMDA ईयर लॉन्ग मेंटरशिप

अनबिटेबल मेंटरिंग डिलीवरिंग अचीव्मेंट्स

चुनौती

संरचित समय सारणी और संगठित तैयारी का अभाव

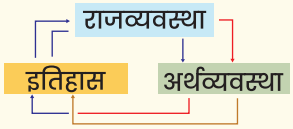

UMDA विशेषताएँ

दैनिक विषय विभाजन और पूर्व नियोजित टेस्ट अंतराल के साथ वैज्ञानिक रूप से डिज़ाइन किया गया कार्यक्रम

राजव्यवस्था → इतिहास → अर्थव्यवस्था

अब बेतरतीब ढंग से कूदने की ज़रूरत नहीं। आपस में जुड़े विषयों को एक स्मार्ट और योजनाबद्ध क्रम में सीखें

अंतर्संबंधों के साथ सीखें

स्टैटिक को करेंट अफेयर्स से जोड़ने में असमर्थता

"पढ़ने के लिए बहुत कुछ है.....लेकिन किस पर ध्यान केंद्रित करें?"

मणिकांत सर द्वारा जीएस मंथन
करेंट अफेयर्स तक पहुँच (लाइव/ऑनलाइन)

जीएस मंथन आपको केवल वही देता है
जो यूपीएससी माँगता है - न ज्यादा, न कम।

समस्या

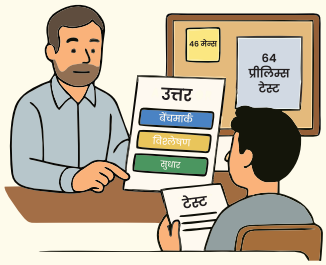

एक प्रणाली। एक फीडबैक लूप।
एक स्पष्ट राह।

UMDA विशेषताएँ

मैं सब कुछ पढ़ रहा हूँ... लेकिन
यूपीएससी असल में क्या चाहता है?

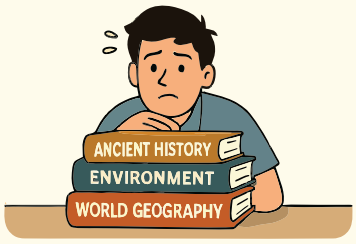

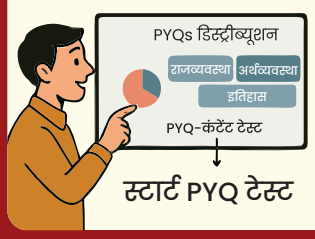

ACE से शुरुआत करें

परीक्षा की तैयारी करने से पूर्व उसका विश्लेषण करें

UMDA विशेषताएँ

UMDA विशेषताएँ

चुनौती

रिवीजन को डेली एवं डायनेमिक शेड्यूल में शामिल नहीं किया गया है

FIT टेस्ट

- साप्ताहिक संशोधन सहित
- प्रत्येक दो महीने में मुख्य विषयों पर दोबारा विचार करें
- बकाया कार्य को न्यूनतम करें, स्मृति को मजबूत करें।

हम इस समस्या का समाधान FIT टेस्ट से करते हैं

हमारे यूपीएससी टॉपर्स 2024-25

ANKITA KANTI
AIR–137(2024)

RAVI RAAZ
AIR–182(2024)

VIVEK YADAV
AIR–413(2024)

HASSAN KHAN
AIR–643(2024)

MAMTA
AIR–438(2024)

नेक्स्ट आप हो सकते हैं

RANK
121

12TH फेल मूवी के नायक

हमारे यूपीएससी अचीवर्स

AIR 9 NAUSHEEN 2023

AIR 36 AYUSHI PARDHAN 2023

AIR 279 ABHINAV PRAKASH 2022

AIR 533 ANAND KUMAR 2021

AIR 3 KIRAN KAUSHAL

AIR 5 AJAY KUMAR MISHRA

AIR 9 JAI PRAKASH MAURYA

AIR 10 LOKESH KUMAR SINGH

AIR 36 RAHUL KUMAR

AIR 36 MUKESH KUMAR

AIR 42 A. ANTO

AIR 49 RAHUL RANJAN MAHIWAL

AIR 59 RUBAL GUPTA

AIR 74 VAIBHAV SRIVASTAVA

AIR 76 BHARAT YADAV

AIR 79 PRABHAKAR

AIR 88 HEMANT SATI

AIR 95 PRADEEP KUMAR

AIR 97 JAFAR MALIK

AIR 105 AMIT PRAKASH YADAV

AIR 105 S. SATEESH BINO

AIR 107 SANTOSH KR. ROY

AIR 108 MANITA MALIK

AIR 138 ANURAG VERMA

AIR 160 PRATIBHA PAL

AIR 160 RAHUL KATAKEY

AIR 171 PRIYABRATA ROY

AIR 206 GAIKWAD VINOD KUMAR

AIR 242 VIVEK

& many more

मणिकांत सर के बारे में

यूपीएससी के क्षेत्र में 32+ वर्षों के अनुभव के साथ, मणिकांत सिंह सर इस क्षेत्र के सबसे विश्वसनीय शिक्षक एवं मार्गदर्शक हैं। उन्होंने "चैलेंजेज एवं इंटरलिंकेजेज" के पैटर्न के माध्यम से विषयों को समझने के अपने रिवॉल्यूशनरी पैराडाइम द्वारा, सैकड़ों छात्रों को व्यक्तिगत रूप से सफलता की ओर निर्देशित किया है। मणिकांत सर की विशेषज्ञता कक्षा से परे जाकर, रोट लर्निंग को हतोत्साहित करके और आलोचनात्मक अंतर्दृष्टि विकसित करके विषयवस्तु को सरल बनाती है; और उनकी दृष्टि सभी कंटेंट में परिलक्षित होती है, जो परीक्षा की आवश्यकताओं और पैटर्न के साथ पूरी तरह से संरेखित है, साथ ही समझने में बेहद आसान भी है। छात्रों को 'सोचने वाले प्राणी' में बदलने के उनके मिशन को ध्येय वाक्य में अभिव्यक्त किया जा सकता है:

"ज्ञान तथ्यों को एकत्रित करने की एक प्रक्रिया है; बुद्धिमत्ता उनके सरलीकरण में निहित है" - मार्टिन एच. फिशर

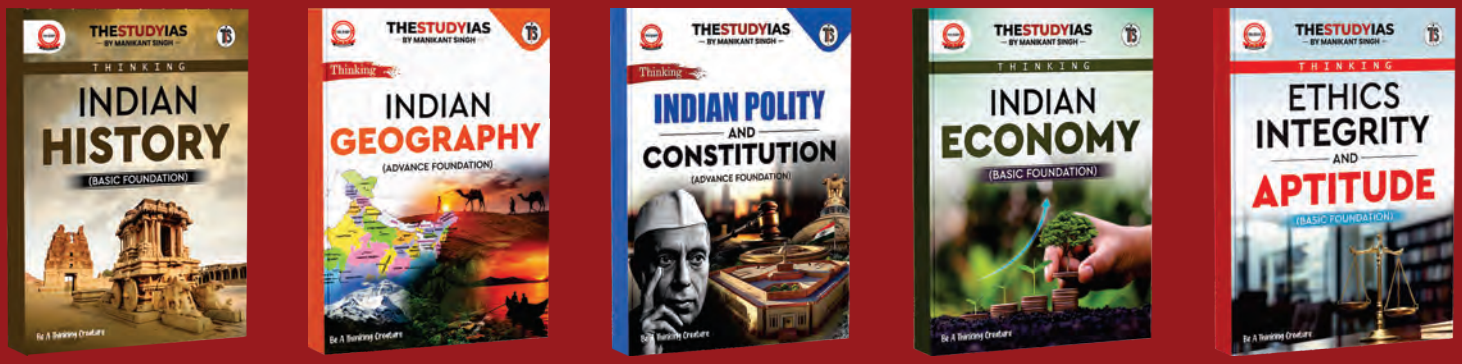

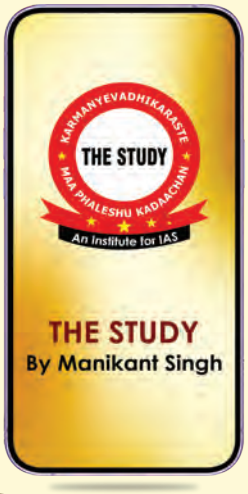

एप्लीकेशन डाउनलोड करने के लिए

GET IT ON Google Play

GET IT ON App Store

(अंग्रेजी तथा हिंदी माध्यम)
हमारे एप्लीकेशन पर उपलब्ध

ऐप की विशेषताएँ

- ✓ सामान्य अध्ययन सम्पूर्ण पाठ्यक्रम (दोनों माध्यम)
- ✓ वैकल्पिक विषय इतिहास सम्पूर्ण पाठ्यक्रम (दोनों माध्यम)
- ✓ मॉड्यूल आधारित पाठ्यक्रम उपलब्ध
- ✓ रिकॉर्डेड एवं लाइव कक्षाएं
- ✓ अद्यतन प्रश्नोत्तरी सत्र
- ✓ द हिंदू एवं इंडियन एक्सप्रेस के दैनिक समाचार लेख (हिंदी व अंग्रेजी में)
- ✓ टेस्ट सीरीज़ (प्रारंभिक, मुख्य एवं वैकल्पिक विषय इतिहास हेतु)
- ✓ प्रिंटेड अध्ययन विषय-वस्तु डाक द्वारा घर भेजने की सुविधा
- ✓ फ्री डेमो वीडियो
- ✓ प्रदर्शन विश्लेषण एवं प्रगति रिपोर्ट

MUKHERJEE NAGAR
703, In Front of Batra Cinema,
Mukherjee Nagar, Delhi-110009

KAROL BAGH
4B, Ground Floor Grover Chambers,
Main Pusa Road, Next To Karol Bagh
Metro Station, New Delhi-110005

SOCIAL MEDIA
www.thestudyias.com
info@thestudyias.com
thestudyias
thestudyias

Contact : 70020 70025